Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222801 **Paper Code: 1163**

Master of Arts (Hindi) Semester I

Course Title: आधुनिक हिंदी काव्य: द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Code: MHIL-1261

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट: यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है| परीक्षार्थी केलिएप्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है| पांचवा प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है| प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक 14 हैं| प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में दें|

भाग–क

1द्विवेदीयुगीन कवि मैथलीशरण गुप्त जी के काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालें|

2.छायावादी काव्य की **प्रवृत्तियों** पर विचार करें|

भाग–ख

3. साकेत के **महाकाव्यत्व** को स्पष्ट कीजिए|

4. उर्मिला के चरित्र की विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन करें|

भाग-ग

5.कामायनी की **रूपक योजना** को स्पष्ट करें |

6.कामायनी की**भाषा शैली** की विशेषताओं पर प्रकाश डालें|

भाग –घ

7. निराला के काव्य में **छायावादी विशेषताओं** को सोदाहरण स्पष्ट करें|

8.**सरोज समृति** के कथ्य और शिल्प पर विचार करें|

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222801 **Paper Code: 1164**

Programme : Master of Arts (HINDI)
Semester-I
Course Title -Hindi Sahitya Ka Itihaas
Course Code: MHIL-1262

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 70**

	Marks
प्रश्न पत्र में से कुल पांच प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न अवश्य करना होगा । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1000 शब्दों में दें। **पांचवा प्रश्न विद्यार्थी किसी भी इकाई में से कर सकता है।**	14×5=70
इकाई एक	
प्रश्न 1: हिंदी साहित्य इतिहास के काल विभाजन संबंधी विभिन्न प्रयासों एवं मतों की समीक्षा कीजिए।	14
प्रश्न 2 हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा में विदेशी विद्वानों के अवदान की विवेचना कीजिए।	14
इकाई दो	
प्रश्न:3 जैन साहित्य के प्रमुख कवियों एवं ग्रंथों का उल्लेख करें।	14
प्रश्न 4 आदिकालीन साहित्यिक विशेषताओं का वर्णन करें।	14
इकाई तीन	
प्रश्न :5 भक्तिकालीन सामाजिक एवं राजनीतिक परिवेश का वर्णन करें।	14
प्रश्न 6 राम काव्य धारा के प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए तुलसीदास की भक्ति एवं समन्वय भावना की विवेचना करें।	14
इकाई चार	
प्रश्न :7 रीति काल के नामकरण संबंधी विभिन्न मतों को स्पष्ट करें।	14
प्रश्न 8 गुरु गोविंद सिंह जी अथवा बिहारी के काव्य वैभव पर प्रकाश डालें।	14

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222801 (20) Paper Code: 1165

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-I

Course Title: Bhartiya Kavyashastra Evam Sahityalochan

Course Code: MHIL-1263

Time Allowed: 3 Hours **Max Marks: 70**

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। परीक्षार्थी के लिए प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न कि लिए निर्धारित अंक 14 है। प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों में दे।

भाग–एक

1. काव्य–हेतुओं पर विस्तृत विचार करें।
2. काव्य प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

भाग–दो

3. रस निप्पति की प्रकिया पर विविध आचार्यों के मतों का उल्लेख करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

4. अलंकार सम्प्रदाय की परम्परा एवं मूल स्थापनाओं का परिख्य दीजिए।

भाग–तीन

5. ध्वनि के आधार पर काव्य के भेदों का उल्लेख करते हुए गुणीभूत व्यंग्य काव्य पर विस्तार से विचार कीजिए।
6. रीति की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं से अवगत कराएं।

भाग–चार

7. औचित्य के अर्थ एवं स्वरूप को स्पष्ट करते हुए इस सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाओं का उल्लेख करें।
8. मनोविश्लेषणवाद का विस्तृत परिचय दें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Exam Code: 222801 Paper Code: 1166
(20)

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-I

Course Title: Prayojanmoolak Hindi

Course Code: MHIL-1264

Time Allowed: 3 Hours Max Marks: 70

परीक्षा के लिए आवश्यक निर्देशः

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमशः इकाई एक, दो, तीन, चार में से 14–14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक–एक उत्तर देना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।

भाग–एक

प्रश्न 1. हिंदी भाषा के विविध रूप कौन कौन से हैं, विस्तृत परिचय दें।

प्रश्न 2. संक्षेपण के अभिप्राय एवं परिभाषा देते हुए उसका महत्व एवम् उपयोगिता स्पष्ट करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग–दो

प्रश्न 3. पल्लवन के अन्य रचना रूपों का परिचय दें।

प्रश्न 4. निमनांकित शब्दों के हिंदी रूप लिखें:–

1. Access
2. Audit
3. Application
4. Calculator
5. Binary
6. Chip
7. Calculation
8. Complex
9. Adapted
10. Command
11. Base
12. Crystal
13. Null
14. Part
15. Property
16. Output

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

भाग–तीन

प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों का हिंदी रूप लिखें:–

1. Checked and found correct
2. Copy maybe forwarded
3. Cancelled for circulation
4. I agree
5. Issued
6. Hand over charge
7. Granted
8. Further action is awaited
9. Following suggestions draft is concurred
10. Estimate the value of it
11. Expedite it
12. May be sanctioned
13. Maybe consulted with finance ministry
14. Kindly arrange the same
15. Lump sum sanctioned
16. Error is regretted

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

प्रश्न 6. अच्छे प्रारूपण के गुण और विशेषताएं बताते हुए प्रारूपण की विधि बताइए।

भाग—चार

प्रश्न 7. इंटरनेट का परिचय देते हुए हिंदी के सॉफ्टवेयर पैकेज बताएं और इंटरनेट एकसप्लोरर का परिचय दें।

प्रश्न 8. कंप्यूटर के प्रकार बताते हुए उसका परिच्य तथा उपयोग क्षेत्र बताएं।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

Lib 26/12/24 (EVE) KMV - II

Exam Code: 222801
(20)

Paper Code: 1167

Programme: Master of Arts (Hindi)
Semester-I

Course Title: Hindi Natak aur Rangmanch

Course Code: MHIL-1265 (Opt-I)

Time Allowed: 3 Hours

Max Marks: 70

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में 14–14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे गए हैं। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक–एक पश्न का उत्तर देना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक का उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।

भाग–एक

1. नुक्कड़ नाटक और रेडियो नाटक पर सारगर्भित नोट लिखें।
2. भारतेंदु के रंगमंच की सामर्थ्य और सीमाएं स्पष्ट करें।

भाग–दो

3. अंधेर नगरी में भारतेंदु युगीन विसंगतियों का चित्रण करें।

Digitized by KMV College Library, Jalandhar

4. अंधेर नगरी में प्रतीक विध्धन स्पष्ट करें।

भाग—तीन

5. जयशंकर प्रसाद की नाट्य यात्रा में ध्रुवस्वामिनी का स्थान निर्धारित करें।
6. ध्रुवस्वामिनी नाटक की रंगमंचीयता स्पष्ट करें।

भाग—चार

7. आठवां सर्ग नाटक की अभिनेयता को स्पष्ट करें।
8. आठवां सर्ग नाटक की भाषा शैली स्पष्ट करें।